



श्री
विश्वेश्वर - काशी
श्रीशिव - काशी
श्रीगणेश - काशी
श्रीब्रह्मा - काशी
श्रीवैष्णव - काशी

वस्तु,
प्राचीन।
श्रीशिव
तथातु कृष्णार्जुनयोश्च



DESIGN NO	DESCRIPTION	PRICE
1701	CHANYA CHOLI	4265/-
1702	CHANYA CHOLI	4035/-
1703	CHANYA CHOLI	4545/-
1704	CHANYA CHOLI	3635/-
1705	CHANYA CHOLI	3635/-
1706	CHANYA CHOLI	4095/-
1707	CHANYA CHOLI	4375/-
1708	CHANYA CHOLI	4435/-
1709	CHANYA CHOLI	4205/-
1710	CHANYA CHOLI	4375/-
	TOTAL	41600/-
	12% GST EXTRA ON ABOVE RATE	



1701



સાંકળોને આકર્ષક બનાવવા માટે
આ સુગંધકારક સેટ
સાચું પસંદગી છે.



1702



1703



સાંકળોને આકર્ષક બનાવવા માટે
આ સુગંધકારક સેટ
સાચું પસંદગી છે.



1704



1705



1706



1707



1708



1709



1710



शुद्धिं कुरुते नमोऽर्चयन्ते,
सर्वानामपि शिवम्।
शुभं कुरुते सर्वानामपि
सर्वं सुखं कुरुते सर्वम् ॥







पिंकिसिंह, नारायणगढ़,
जयपुर।
पुस्तकालय, नारायणगढ़,
जयपुर।









विश्वविद्यालय
महाराष्ट्र
मुंबई



1704

नामो नमो शिवाय
शिवो शिवो शिवो





सिद्धिस्तु नमोऽर्पितम्
सर्वकार्येषु सर्वदा
॥ ३ ॥

हिजा अता
अथि यत्त
जाता पु
तदात्तु क

1702





श्री
विश्वेश्वर - स्वामीजी
श्रीशिवजी - श्रीगुरु
श्रीगुरुजी - श्रीगुरुजी
श्रीगुरुजी - श्रीगुरुजी

तथातु कृष्णाञ्जलिम्

1703

विश्वकर्मा स्वर्गनिर्माता,
सर्वविद्यासागरः त्रिभुवः।
पुराण-सुखायै सर्वसिद्धिदायकं
कुरु कुरु कुरु विनायकः ॥



1703

कौतु कुसुमाक्षयिता

